



व्यावसायिक शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का महत्व

मंजू कुमारी¹ | डॉ. पुनम बाला²

¹ शोधार्थी, साईनाथ विश्वविद्यालय, रांची.

² सह – प्राध्यापक, साईनाथ विश्वविद्यालय, रांची.

ABSTRACT:

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हो रही तेज प्रगति, वैयक्तिकरण, विस्तारशीलता और सुलभता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करके व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास में क्रांति ला रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी तकनीक है जिसका इस दशक में तेजी से विकास हुआ है। इसकी वह क्षमता, जिसके द्वारा यह ऐसे कार्य कर सकती है जो पहले केवल मनुष्यों द्वारा ही संभव थे, ने इस तकनीक को लोकप्रिय बना दिया है और इसे विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यावसायिक शिक्षा भी शामिल है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यावसायिक शिक्षा को सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण में व्यावहारिक कौशल में महारत हासिल करने में सक्षम बनाता है, साथ ही यह प्रशिक्षण लागत को कम करता है और रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाता है। व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एकीकरण कौशल विकास और कार्यबल की तैयारी में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। एआई-संचालित उपकरण, जैसे कि इंटीलिजेंट ट्यूटोरिंग सिस्टम, एडेप्टिव लर्निंग प्लेटफॉर्म और स्वचालित मूल्यांकन, व्यक्तिगत सीखने के अनुभवों को बेहतर बनाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रशिक्षण उद्योग की मांगों के अनुरूप हो। इस शोध का प्राथमिक लक्ष्य व्यावसायिक शिक्षा में इस तकनीक की भूमिका की गहरी समझ प्रदान करना और एक ऐसा ढांचा प्रस्तुत करना है जिसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कार्यान्वयन के लिए मार्गदर्शिका के रूप में उपयोग किया जा सके।

KEYWORDS:

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रशिक्षण, रोजगार और डिजिटल।

PAPER ACCEPTED DATE:

25th September 2025

PAPER DOI NO:

10.5281/zenodo.19039607

PAPER PUBLISHED DATE:

30th September 2025

PAPER DOI LINK:

<https://zenodo.org/records/19039607>

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा के एक नए युग की स्थापना की गई है। भारत में NEP 2020 एक व्यापक ढांचा है जो देश में शिक्षा के भविष्य के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। यह नीति व्यावसायिक शिक्षा के महत्व को स्वीकार करती है और इसे मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली में एकीकृत करने का लक्ष्य रखती है। व्यावसायिक शिक्षा कुशल और प्रशिक्षित कामगारों को तैयार करने में एक अहम भूमिका निभाती है। आज की तेजी से बदलती और ज्यादा जटिल दुनिया में, व्यावसायिक शिक्षा को लगातार तकनीकी तरक्की और संबंधित उद्योगों के हिसाब से खुद को ढालते रहना चाहिए। हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि टेक्नोलॉजी की तेज रफ्तार ने शिक्षा के क्षेत्र में काफी बदलाव लाए हैं। इनमें सीखने के तरीके में शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर बदलाव भी शामिल है। कई सरकारी पहल और अवसर भारतीय शिक्षा प्रणाली के "व्यावसायीकरण" का समर्थन करते हैं। नीति के अनुसार, उचित प्रावधान किए जाने चाहिए ताकि प्रत्येक छात्र कम से कम एक व्यावहारिक कौशल सीख सके। व्यावसायिक शिक्षा छठी कक्षा से शुरू होगी और इसे अब वैकल्पिक विषय के रूप में नहीं रखा जा सकता। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (मुक्त और दूरस्थ शिक्षा) के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाएगी। विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों के विशेषज्ञों को व्यावसायिक शिक्षकों के रूप में नियुक्त किया जाएगा, जो स्थानीय स्कूलों में छात्रों को व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। एजुकेशनल पर्सपेक्टिव्स ऑन डिजिटल टेक्नोलॉजी इन मॉडलिंग एंड मैनेजमेंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, व्यावसायिक शिक्षा में उभरती कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीकों का

एकीकरण 2030 तक भारत में कौशल सीखने पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित ट्यूटोरियल और सिमुलेशन सिस्टम छात्रों को व्यक्तिगत सीखने का अनुभव प्रदान कर सकते हैं। यह व्यावसायिक शिक्षा की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाएगा, जिससे सीखने के बेहतर परिणाम मिलेंगे और स्नातकों की रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी। इससे छात्र अपनी समझ के स्तर और अपनी गति के अनुसार सीख सकेंगे।

साहित्य समीक्षा

साहित्य समीक्षा किसी विशेष विषय पर अब तक किए गए शोध, लेखों, और अध्ययनों का एक व्यापक सर्वेक्षण और विश्लेषण है। यह शोध कार्य का एक अनिवार्य हिस्सा है जो यह बताता है कि आपके विषय पर वर्तमान में क्या ज्ञान उपलब्ध है। विभिन्न शोधकर्ताओं का मानना है कि पारम्परिक कक्षाएं अब डिजिटल हब में बदल रही हैं।

सस्किंड और सस्किंड (2015) कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यवसायों के भविष्य का अन्वेषण करते हैं, और यह सुझाव देते हैं कि व्यावसायिक प्रशिक्षण को छात्रों को उन नौकरियों के लिए तैयार करने के लिए अनुकूलित होना चाहिए जिनमें एआई प्रणालियों के साथ सहयोग की तेजी से आवश्यकता होगी। साहित्य की समीक्षा व्यावसायिक शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देती है। यह एक प्रसिद्ध संदर्भ है जो बताता है कि कैसे पारंपरिक पेशे (जैसे डॉक्टर, वकील, शिक्षक) तकनीक के कारण बदल रहे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास उच्च व्यावसायिक प्रतिभाओं के प्रशिक्षण मोड को बदलने के लिए मजबूर कर रहा है, जिसमें प्रशिक्षण उद्देश्य, पाठ्यक्रम,

व्यावसायिक अभ्यास, शिक्षक विकास और व्यावसायिक आवश्यकताएं आदि शामिल हैं। वर्तमान में, कृत्रिम बुद्धिमत्ताद्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली आधुनिक सूचना तकनीक मानव उत्पादन, जीवन और सीखने के तरीके को गहराई से बदल रही है। शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ताके बारे में बात करने का अर्थ है शिक्षा के सूचनाकरण के बारे में बात करना (रोंगहुआई 2016)। बेसेन (2019) बताते हैं कि जहाँ एआई शैक्षिक प्रक्रियाओं को संवर्धित कर सकता है, वहीं यह उन कौशलों के बारे में भी महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है जिन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह छात्रों को एक ऐसे भविष्य के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक है जहाँ कार्यस्थल पर एआई सर्वव्यापी होगा। बेसेन का तर्क है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल मदद नहीं करेगा, बल्कि यह हमें यह सोचने पर मजबूर करेगा कि भविष्य में कौन से हुनर (जैसे समस्या समाधान, रचनात्मकता) मशीनों से ज्यादा महत्वपूर्ण होंगे। इसका अर्थ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ताहर जगह होगा, इसलिए व्यावसायिक शिक्षा को इसके साथ तालमेल बिठाना ही होगा।

यूनेस्को (UNESCO 2020) कृत्रिम बुद्धिमत्तासंचालित शैक्षिक उपकरणों को नैतिक मानकों और समान पहुंच के साथ जोड़ने के महत्व पर जोर देता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि सभी छात्र इन तकनीकी प्रगतियों से लाभान्वित हों। यूनेस्को का कहना है कि तकनीक का लाभ केवल अमीर या शहरी छात्रों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह सबके लिए सुलभ और नैतिक रूप से सही होनी चाहिए।

पिछले दशक में, व्यावसायिक शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ताके अनुप्रयोग पर शोध तेजी से विकसित हुआ है, और एआई ने व्यावसायिक शिक्षा के लिए अवसर और चुनौतियाँ दोनों पेश की हैं (यांग 2022)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल औद्योगिक नवीनीकरण और व्यवसाय प्रतिस्थापन का जोखिम लाता है, बल्कि व्यावसायिक शिक्षा को विकास के नए अवसर भी प्रदान करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्तातकनीक का व्यापक अनुप्रयोग और लोकप्रियता, एक ओर जहाँ तकनीकी और कुशल कार्यों में लगे कुछ श्रमिकों को उच्च उत्पादन क्षमता वाली बुद्धिमान मशीनों द्वारा प्रतिस्थापित करने की ओर ले जाएगी, जिससे व्यावसायिक शिक्षा के प्रतिभा प्रशिक्षण के सामने गंभीर चुनौतियाँ पैदा होंगी वहीं दूसरी ओर, एआई तकनीक की प्रगति नए रोजगार भी पैदा करेगी, रोजगार के नए अवसर लाएगी और व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता और दक्षता में सुधार करने में मदद करेगी।

अरार और अन्य (2023) इस बात का अन्वेषण करते हैं कि कैसे कृत्रिम बुद्धिमत्तासीखने की प्रक्रिया को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों और जॉब मार्केट की मांगों के प्रति अधिक प्रासंगिक बनाकर व्यावसायिक शिक्षा को बदल सकता है। वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग (यानी किताबी ज्ञान के बजाय व्यावहारिक उपयोग)।

एंडरिस और अन्य (2024) ने उन नीतियों की आवश्यकता पर चर्चा की जो विशेष रूप से शैक्षिक वातावरण में कृत्रिम बुद्धिमत्ताके विकास, परिणियोजन और उपयोग को संबोधित करती हैं। उन्होंने एक ऐसे ढांचे की सिफारिश की है जो न केवल तकनीकी प्रभावों पर विचार करता है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक प्रभावों को भी ध्यान में रखता है।

अध्ययन की आवश्यकता

किसी भी शोध या रिसर्च पेपर में यह बताती है कि उस विषय पर शोध करना आज के समय में क्यों जरूरी है। वर्तमान में उद्योगों की मांग और छात्रों के पास उपलब्ध कौशल के बीच एक बड़ा अंतर है। यह अध्ययन यह समझने के लिए आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ताकैसे इस अंतर को कम कर सकता है और छात्रों को आधुनिक बाजार के लिए तैयार कर सकता है। भारत की नई शिक्षा नीति व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाने पर जोर देती है। यह शोध इसलिए जरूरी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि स्कूलों और कॉलेजों में। टूल्स को नीतिगत रूप से कैसे लागू किया जाए। तकनीक की तीव्र उन्नति और उद्योग की बदलती आवश्यकताओं ने आधुनिक कौशल से लैस कार्यबल की बढ़ती मांग पैदा की है। पारंपरिक व्यावसायिक प्रणालियाँ अक्सर इन परिवर्तनों के साथ तालमेल बिठाने में संघर्ष करती हैं, जिससे जॉब मार्केट में कौशल अंतराल और विसंगतियाँ पैदा होती हैं। व्यावसायिक शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरण सीखने की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है, जिससे शिक्षा अधिक अनुकूलन योग्य, कुशल

और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप बनती है। एआई—संचालित तकनीकें, जैसे कि इंटेलेजेंट ट्यूटोरिंग सिस्टम, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स और गहन सिमुलेशन, व्यक्तिगत सीखने के अनुभव प्रदान करती हैं, जिससे प्रशिक्षुओं को प्रभावी ढंग से व्यावहारिक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है।

एआई का लाभ उठाकर, शिक्षक सीखने के पैटर्न की पहचान कर सकते हैं, प्रशिक्षण मॉड्यूल को आवश्यकतानुसार तैयार कर सकते हैं और रीयल-टाइम फीडबैक प्रदान कर सकते हैं, जिससे छात्रों की सहभागिता और प्रदर्शन में सुधार होता है। इसके अतिरिक्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ताव्यावसायिक शिक्षा में सुलभता को बढ़ाता है, जिससे दूरस्थ शिक्षा के अवसर मिलते हैं और विविध सीखने की जरूरतों वाले व्यक्तियों को सहायता मिलती है। व्यावसायिक शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ताके सफल कार्यान्वयन के लिए इसके लाभों, चुनौतियों और सर्वोत्तम प्रथाओं की गहरी समझ होना आवश्यक है। शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार और प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए डेटा गोपनीयता, नैतिक चिंताएं और तकनीकी बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिए। व्यावसायिक शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस की परिवर्तनकारी क्षमता का पता लगाने, कौशल विकास पर इसके प्रभाव का आकलन करने और प्रशिक्षण प्रणालियों में इसके इष्टतम एकीकरण के लिए रणनीतियों की पहचान करने के लिए यह अध्ययन अनिवार्य है।

व्यावसायिक शिक्षा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्तासीखने, प्रशिक्षण और कौशल विकास को बेहतर बनाने के लिए अभिनव समाधान प्रदान करके व्यावसायिक शिक्षा को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रत्येक छात्र के लिए शैक्षिक सामग्री और अनुभवों को तैयार करने के लिए उनकी व्यक्तिगत सीखने की शैली, प्राथमिकताओं और प्रदर्शन का विश्लेषण कर सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ताद्वारा संचालित एडेप्टिव लर्निंग प्लेटफॉर्म छात्र की प्रगति के आधार पर पाठों की कठिनाई और गति को समायोजित कर सकते हैं, जिससे उनका बेहतर जुड़ाव और समझ सुनिश्चित होती है। यह व्यावसायिक कौशल के लिए लक्षित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है, जो तकनीकी कौशल, समस्या समाधान और व्यावहारिक कार्यों जैसे क्षेत्रों में रीयल-टाइम फीडबैक और अभ्यास की पेशकश करता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्तासंचालित वर्चुअल क्लासरूम और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म दूरस्थ शिक्षा की सुविधा प्रदान कर सकते हैं, जिससे शिक्षा वैश्विक दर्शकों के लिए अधिक सुलभ हो जाती है और छात्रों एवं प्रशिक्षकों दोनों के लिए लचीलापन सुनिश्चित होती है। एआई उपकरण व्यक्तियों के कौशल का आकलन कर सकते हैं और उनके ज्ञान या क्षमताओं में मौजूद अंतराल की पहचान कर सकते हैं। जॉब मार्केट के रुझानों का विश्लेषण करके, एआई छात्रों और शिक्षकों को उन कौशलों को समझने में मदद कर सकता है जिनकी मांग अधिक है, जिससे प्रासंगिक पाठ्यक्रम के विकास में मार्गदर्शन मिलता है। कृत्रिम बुद्धिमत्तासंचालित वर्चुअल सिमुलेशन जोखिम—मुक्त वातावरण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जिससे छात्र वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में प्रवेश करने से पहले व्यावसायिक कौशल का अभ्यास और प्रयोग कर सकते हैं। ये उपकरण व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए बड़ी मात्रा में डेटा को प्रोसेस कर सकते हैं। संस्थान इस जानकारी का उपयोग सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने, पाठ्यक्रमों को परिष्कृत करने और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

चुनौतियाँ

यद्यपि कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए कई लाभ प्रदान करता है, लेकिन ऐसी कई चुनौतियाँ भी हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। तकनीक और विश्वसनीय इंटरनेट तक असमान पहुँच कृत्रिम बुद्धिमत्ता—आधारित व्यावसायिक शिक्षा के कार्यान्वयन में बाधा डाल सकती है, विशेष रूप से सीमित संसाधनों वाले क्षेत्रों या वंचित समुदायों में। एआईप्रौद्योगिकियों को लागू करना महंगा हो सकता है। यह एक बहुत ही दूरदर्शी दृष्टिकोण है विशेष रूप से व्यावसायिक शिक्षा में, जहाँ तकनीकी कौशल और बाजार की मांगें बहुत तेजी से बदलती हैं, वहाँ पुनरावृत्त सुधार यह सुनिश्चित करता है कि सिस्टम पुराना न पड़े। यह प्रणाली संवर्धनीय और समावेशी बनी रहेगी, जिससे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों सहित विविध उपयोगकर्ता आबादी के लिए सुलभता सुनिश्चित होगी। संस्थानों को आवश्यक बुनियादी

ढांचे), सॉफ्टवेयर की खरीद और रखरखाव, तथा शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कई शिक्षकों के पास व्यावसायिक शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए आवश्यक कौशल की कमी हो सकती है। शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम अनिवार्य हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपयोगों का इष्टतम उपयोग कर सकें।

डिजिटल डिवाइड: इस बात का बढ़ता जोखिम है कि कम वित्त पोषित ग्रामीण स्कूलों के छात्र उच्च तकनीक वाले एआई लैप्स से लैस शहरी केंद्रों के छात्रों की तुलना में पीछे रह जायें। डिजिटल डिवाइड यह चेतावनी देता है कि तकनीक केवल अमीरों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, अन्यथा यह सामाजिक असमानता को बढ़ाएगी।

पक्षपात: कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिफारिश इंजनों की निगरानी की जानी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे छात्रों को उनके पक्षपाती ऐतिहासिक डेटा के आधार पर कुछ विशिष्ट व्यवसायों की ओर धकेलें या उनसे दूर न करें। एल्गोरिथम पक्षपात का मतलब है कि अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को पुराने डेटा पर ट्रेन किया गया है, तो वह लड़कियों को कोडिंग के बजाय सिलाई की ओर या लड़कों को केवल मैकेनिकल ट्रेड की ओर गलत तरीके से सुझाव दे सकता है।

विश्वास करें लेकिन सत्यापित करें: व्यावसायिक शिक्षा के छात्रों को यह सिखाया जा रहा है कि भले ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता किसी खराब इंजन या फसल की पैदावार का पूर्वानुमानित विश्लेषण प्रदान कर सकता है, फिर भी उन्हें उन परिणामों को सत्यापित करने के लिए अपनी स्वयं की आलोचनात्मक सोच का उपयोग करना चाहिए। सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मशीन निर्णय लेने वाली नहीं, बल्कि सहायक होनी चाहिए। अंतिम फैसला हमेशा एक कुशल मानव को ही लेना चाहिए।

निष्कर्ष

कृत्रिम बुद्धिमत्ता व्यावसायिक शिक्षा के भीतर एक बड़े परिवर्तन का सूत्रपात किया है, जो सीखने के अनुभव को मजबूत और परिष्कृत करने वाले कई तरह के अनुप्रयोगों की पेशकश करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल एक प्रायोगिक उपकरण नहीं रह गया है यह एक परिवर्तनकारी इंजन है जो उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा के भविष्य को शक्ति प्रदान कर रहा है। एक परिवर्तन का सूत्रपात किया या बदलाव की शुरुआत की प्रत्येक छात्र की सीखने की गति को समझता है और उसी के अनुसार पाठ्य सामग्री तैयार करता है। ये प्रणालियाँ छात्र के प्रदर्शन का वास्तविक समय में विश्लेषण करती हैं ताकि सामग्री की कठिनाई और सीखने की गति को समायोजित किया जा सके। यदि कोई छात्र वेल्डिंग या सर्किट डिजाइनिंग के किसी चरण में संघर्ष कर रहा है, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसे अतिरिक्त अभ्यास सामग्री देता है। यदि छात्र बहुत जल्दी उत्तर दे रहा है, तो सिस्टम उसे अधिक जटिल चुनौतियाँ जैसे दोष निवारण प्रदान करता है। प्लंबिंग जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता छात्र को बिना सामग्री बर्बाद किए बार-बार अभ्यास करने की अनुमति देता है, जिससे उनका आत्मविश्वास और रुचि बढ़ती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कठिन कौशलों को सीखने में लगने वाले

समय को कम कर सकता है क्योंकि छात्र केवल उन्हीं क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जहाँ उन्हें सुधार की आवश्यकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक टूल नहीं है, बल्कि शिक्षा के ढांचे को बदलने वाली एक बड़ी शक्ति है। यह अध्ययन इस बात के पुख्ता साक्ष्य प्रदान करता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियाँ व्यावसायिक शिक्षा में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित प्लेटफॉर्म सीखने के परिणामों को बेहतर बनाते हैं, छात्रों की सहभागिता को बढ़ाते हैं और कौशल प्राप्ति की दक्षता में सुधार करते हैं। यह दर्शाता है कि आपका शोध केवल अनुमानों पर आधारित नहीं है, बल्कि ठोस तथ्यों पर आधारित है। इसका अर्थ है कि छात्र अब कम समय में और अधिक सटीकता के साथ नया हुनर सीख सकते हैं। व्यक्तिगत सीखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का उपयोग करके, छात्र अपनी आवश्यकताओं और क्षमताओं के अनुसार अधिक प्रभावी और कुशल सीखने का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। यह शब्द स्पष्ट करता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा देने के पुराने तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है।

निष्कर्ष के तौर पर, व्यावसायिक शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग व्यक्तिगत जरूरतों और क्षमताओं के आधार पर अनुकूलित सामग्री प्रदान करके छात्रों के सीखने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

REFERENCES

1. अरार, के., सैती, ए., और गुआर्डो, एम. (2023)। शिक्षा के भविष्य की पुनर्चना और पुनर्गठन: शिक्षण प्रणालियों में तकनीक, सीखने की प्रक्रिया, व्यक्तित्व के लक्षण और विविधता की भूमिका। पावर एंड एजुकेशन, 15(2), 243-258।
2. बेसेन, जे. ई. (2019)। एआई और नौकरियाँ: मांग की भूमिका। एमआईटी प्रेस
3. एन्ड्रिस, ए., तलीली, ए., हुआंग, आर., जू, एल., चांग, टी., और मिश्रा, एस. (2024)। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AIED) के लिए नीति विकसित करने की विशेषताएं, घटक और प्रक्रियाएं एक सतत। AIED विकास और अपनाते की दिशा में। लीडरशिप एंड पॉलिसी इन स्कूल्स, पृष्ठ 1-9।
4. सस्किंड, आर., और सस्किंड, डी. (2015)। व्यवसायों का भविष्य: तकनीक मानव विशेषताओं के काम को कैसे बदल देगी। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
5. यूनेस्को। (2020)। शिक्षा और एआई: सतत विकास के लिए चुनौतियाँ और अवसर। यूनेस्को पब्लिशिंग।
6. रॉगहुआई, एच. (2016)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में इंटेलिजेंस शिक्षा को मजबूत करना। सोशल साइंस जर्नल, 08-18(4)।
7. यांग, डब्ल्यू. (2022)। इंटेलिजेंट वोकेशनल एजुकेशन: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में व्यावसायिक शिक्षा का विकास अनुसंधान ख्र, 199 (1): 83-90।